सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, बुधवार, 09 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 103, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

यूपी जैन तीर्थंकरों की पवित्र भूमिः सीएम योगी

» Pg12

इनसाइड एडीजी तकनीकी नवीन अरोरा ने बढ़ाया यूपी पुलिस का मान... » Pg10

हाई सिक्योरिटी जोन में प्रदर्शन पर ऐक्शन

जूही सिंह, सुमैया सहित 25 पर एफआईआर दर्ज

अखिलेश यादव पर टिप्पणी मामलाः दिल्ली सीएम के टोंटी चोर बोलने पर भड़क उठी सपा की महिला विंग

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर दिल्ली की सीएम द्वारा की गयी टिप्पणी से समाजवादी पार्टी में रोष का माहौल है। समाजवादी पार्टी द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को समाजवादी पार्टी की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह द्वारा हजरतगंज में प्रदर्शन किया गया था। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता राजभवन के गेट पर पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे थे। बिना अनुमति राजभवन के गेट पर प्रदर्शन करने पर उपनिरीक्षक ने हजरतगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

» सपा कार्यकर्ता राजभवन के पास कर रहे थे प्रदर्शन

प्रदर्शन दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में किया गया था। मामले में रिपोर्ट हजरतगंज कोतवाली में चौकी प्रभारी सचिवालय बागेश शर्मा की तहरीर पर दर्ज किया गया है। चौकी प्रभारी की तहरीर के मुताबिक सपा नेता पायल किन्नर, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुमैया राणा, महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह, बीना रावत, सुमन यादव, वंदना चतुर्वेदी समेत

20-25 महिलाओं ने जीपीओ पार्क पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। अनुमति न होने पर पुलिस ने जब उन्हें हटाने की कोशिश की धक्का मुक्की शुरू कर दी। इसके बाद पार्क से निकलकर बाहर आ गई। राजभवन गेट नम्बर दो पर पहुंची तो वहां प्रदर्शन और नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन के दौरान मुख्य मार्ग पर जाम लग गया। यातायात बाधित हुआ। काफी देर तक उक्त लोग प्रदर्शन करती रहीं।

इसके बाद प्रदर्शन कर रहे सपा नेता चले गए थे। पुलिस उपायुक्त मध्य आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। वीडियो रिकार्डिंग के आधार पर प्रदर्शन ने शामिल अन्य लोगों को भी चिन्हित किया जा रहा है। हजरतगंज कोतवाली प्रभारी विक्रम सिंह के अनुसार राजभवन के सामने बिना अनुमति के धरना प्रदर्शन करना मना है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों द्वारा कल प्रदर्शन किया गया था। जिस पर उपनिरीक्षक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

बताते चलें कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने टोंटी चोर बोल दिया था। उनके इस बयान पर मंगलवार को सपा की महिला विंग ने राजधानी लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन किया था।

वाराणसी हैवानियत

19 साल की युवती को छह दिन तक नोचते रहे हैवान

सामूहिक दुष्कर्म करने वाले 23 में नौ आरोपी गिरफ्तार

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया।

वाराणसी। शहर में 19 वर्षीय एक युवती के साथ कथित रूप से 23 लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आने के बाद हर कोई स्तब्ध है। पुलिस ने कुल 23 आरोपियों में से अब तक नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर सभी को रिमांड पर भेज दिया है। बुधवार को यह जानकारी देते हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाकी आरोपियों की धरपकड़ के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

सहायक पुलिस आयुक्त विदुश सक्सेना ने बताया कि लालपुर पांडेयपुर इलाके में एक युवती के साथ कथित रूप से हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने अभी तक नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर सभी को रिमांड पर भेज दिया है। उन्होंने बताया कि बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए खोजबीन अभियान जारी है और उन्हें भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सक्सेना ने बताया कि पीड़ित युवती ठीक है और पुलिस लगातार उसके परिवार से संपर्क बनाये हुए है। पीड़िता के परिजनों ने मीडिया से बात करने से इंकार कर दिया। उसकी मां ने कहा, '' आपको जो भी पूछना है, आप पुलिस से बात कर लो।'' अधिकारियों ने बताया कि युवती कुछ युवकों के साथ 29 मार्च को कहीं गई थी और जब वह घर नहीं लौटी तो उसके परिजनों ने चार अप्रैल को उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने नामजद आरोपियों की पहचान

राज विश्वकर्मा, समीर, आयुष, सोहैल, दानिश, अनमोल, साजिद, जहीर, इमरान, जैब, अमन और राज खान के रूप में की है। पुलिस ने पीड़िता के बयान के हवाले से बताया कि 29 मार्च से चार अप्रैल के बीच ये आरोपी उसे कई होटलों और हुक्का बार में ले गए और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।

पीड़िता की मां ने अपनी शिकायत में कहा कि उनकी बेटी 29 मार्च को अपने दोस्त के घर गई थी। वापस लौटते समय उसकी मुलाकात राज विश्वकर्मा से हुई जो उसे लंका में अपने कैफे में ले गया जहां राज और उसके अन्य दोस्तों ने उसके साथ गलत काम किया। महिला ने आरोप लगाया, अगले दिन मेरी बेटी समीर नामक लड़के से मिली जो अपने एक दोस्त के साथ मोटरसाइकिल पर था। समीर युवती को अपने मोटरसाइकिल पर एक हाइवे पर ले गया और मोटरसाइकिल पर ही उसके साथ गलत काम किया और युवती को नदेसर में छोड़ दिया। पीड़िता की मां ने तहरीर में आगे कहा है कि दो अप्रैल को राज खान, तीन अप्रैल को दानिश, सोहैल, सोहैब और कुछ अन्य लड़कों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में वे युवती को चौकघाट के पास छोड़ गए। अगले दिन चार अप्रैल को युवती अपने घर आई और परिजनों को आप बीती सुनाई।

क्रांतिकारी नायक मंगल पांडे का बलिदान दिवस मनाया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। ब्राह्मण जागरूकता समिति के तत्वाधान में केशव पुरम में क्रांतिकारी मंगल पांडे का बलिदान दिवस मनाया गया मंगल पांडे जी के चित्र पर माला चढ़कर पुष्प अर्पित किया गया समिति के अध्यक्ष अभय दुबे ने बताया कि मंगल पाण्डेय एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने 1857 में भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वो ईस्ट इंडिया कंपनी की 34वीं बंगाल इंफेन्ट्री के सिपाही थे। तत्कालीन अंग्रेजी शासन ने उन्हें बागी करार दिया जबकि आम हिंदुस्तानी उन्हें आजादी की लड़ाई के नायक के रूप में सम्मान देता है। भारत के स्वाधीनता संग्राम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को लेकर भारत सरकार द्वारा उनके सम्मान में सन् 1984 में एक डाक टिकट जारी किया गया। तथा

मंगल पांडे द्वारा गाय की चर्बी मिले कारतूस को मुँह से काटने से मना कर दिया था,फलस्वरूप उन्हे गिरफ्तार कर 8 अप्रैल 1857 को फांसी दे दी गई। इस दिन को बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाता है कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभय दुबे, अखिलेश दुबे, रजोले अवस्थी, अनुग्रह त्रिपाठी ,आलोक पांडे, उमेश मिश्रा, धर्मेंद्र, अभिषेक दुबे, ज्ञान प्रकाश मिश्रा , डी एस तिवारी, आनंद मणि त्रिपाठी ,विनय शर्मा, लक्ष्मीकांत अग्निहोत्री ,राकेश कुमार तिवारी ,महेंद्र त्रिपाठी इत्यादि लोग रहे

किशोर की हत्या के प्रयास में सात साल कैद

» कोर्ट में पीड़ित का बयान रहा अहम, छह हजार जुर्माना

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अपर जिला जज 20 नीलाजंना की कोर्ट ने किशोर की हत्या के प्रयास में युवक को सात साल की सजा सुनाई है। छह हजार जुर्माना लगाया है।

साकेतनगर निवासी गोपाल कृष्ण गुप्ता ने 31 मार्च 2012 को किदवईनगर थाने में बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई थी, कि उनका 15 वर्षीय बेटा शिवम सुबह 11.30 बजे घर से निकला था। अगले दिन एक अप्रैल की रात साढ़े बारह बजे घर लौटा।

उसने परिजनों को बताया कि सीतापुर के बाढ़े गांव थाना सिंघौली के मूल निवासी और रेलवे कालोनी अनवरगंज में रहने वाला मो. नफीस उसे बहाने से ले गया था।परमपुरवा पहुंचने पर नफीस ने रामादेवी से स्कूटी लेने की बात कहकर उसे कार में बैठाया। रामादेवी में नफीस ने उसे जूस पिलाया, उसके बाद वह बेहोश हो गया। होश में आने पर उसने खुद को लखनऊ में पाया। किशोर के मुताबिक होश में आने पर नफीस कार की पिछली सीट पर आया और रस्सी से उसका गला कस दिया। वह फिर बेहोश हो गया।

नफीस उसे मरा समझकर अनवरगंज स्टेशन पहुंचा और घर चला गया। होश आने पर शिवम कार का शीशा तोड़कर किसी तरह घर पहुंचा और परिजनों को आपबीती बताई। नफीस पुराने वाहन खरीदता था व शिवम उसका पार्टनर था। दोनों के बीच लेनदेन को लेकर विवाद हो गया था। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता संजय झा ने बताया कि अभियोजन की ओर से सात गवाह पेश हुए। कोर्ट में पीड़ित का बयान अहम रहा।

निजी स्कूलों की लूट के विरोध में हल्लाबोल

जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर कांग्रेसियों ने की नारेबाजी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आम इंसान को महंगाई मारे डाल रही है, पूरा परिवार दिन भर मेहनत करने के बाद भी घर का खर्च नहीं चला पा रहा है। ऐसे में कई निजी स्कूल कापी-किताब, ड्रेस के नाम पर अभिभावकों को लूट रहे हैं। स्कूल अपनी बताई गई दुकानों से ही सारा सामान खरीदने का दबाव बना रहे हैं। ऐसे दुकानदार कई गुना दाम बढ़ाकर वसूल रहे हैं और अभिभावक परेशान हैं। महंगी कापी किताब ड्रेस पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन तुरंत हस्तक्षेप करे।

मंगलवार को कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता और ग्रामीण अध्यक्ष संदीप शुक्ला के नेतृत्व में कांग्रेसजन और अभिभावक कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर कांग्रेसियों ने नारेबाजी करते हुए निजी स्कूलों द्वारा लूट-खसोट बंद कराने की मांग की। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि स्कूलों में नए सेशन शुरू हो गए हैं ऐसे में कुछ स्कूल सेटिंग वाली दुकानों से ही महंगी किताबें और ड्रेस खरीदने के लिए अभिभावकों पर दबाव बना रहे हैं। नगर ग्रामीण अध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कहा कि कानपुर के लाखों अभिभावकों के लिए कांग्रेस को सड़क पर उतर कर आंदोलन करना होगा।

उच्च न्यायालय के आदेश अनुसार कोविड के दौरान ली गई फीस में 15 प्रतिशत फीस अभिभावक को वापस करना था लेकिन कई स्कूलों ने अभी तक कोविड के दौरान की फीस वापस नहीं की है बल्कि फीस और बढ़ा दी। कुछ प्रबंधन एवं शिक्षक बच्चों से अभद्रता करते हैं। पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्रा, श्यामदेव सिंह, शंकर दत्त मिश्रा, सुमन तिवारी, सतीश दीक्षित,निजामुद्दीन खान, लल्लन अवस्थी, इखलाक डेविड, हाजी मोहम्मद वसीक, सैमुअल लकी सिंह, वीरेन्द्र चतुर्वेदी, मदन गोपाल राखड़ा, राकेश साहू, शांतनु दीक्षित,राम जी दुबे,अजय तिवारी,अजय श्रीवास्तव शीलू,आर के जगत आदि मौजूद थे।

जिलाधिकारी ने कांग्रेसियों को नारेबाजी से रोका

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ कांग्रेसी जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे और जिलाधिकारी कार्यालय के अंदर नारेबाजी करते हुए घुस गए। उस दौरान अधिवक्ताओं का दल जिलाधिकारी को ज्ञापन दे रहा था। जिलाधिकारी ने नारेबाजी करने वाले कांग्रेसियों को रोका और कहा कि ये आपका कार्यालय नहीं है, कुछ लोग ही ज्ञापन देने आएं। इस संबंध में महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता का कहना है कि जिलाधिकारी को ज्ञापन देने के लिए कांग्रेसी गए थे। जिलाधिकारी ने बहुत ही आदर के साथ ज्ञापन लिया।

बाबूपुरवा में स्कूल के गेट पर नारेबाजी, प्रदर्शन

बाबूपुरवा में एक निजी स्कूल के बाहर अभिभावकों ने नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन जबरन अभिभावकों से 2000 रुपये वसूली कर रहा है। प्रदर्शन करते हुए अभिभावकों में महिलाएं अधिक थीं। उनका कहना है कि आखिर 2000 रुपये किस बात के लिए जा रहे हैं। स्कूल प्रबंधन कुछ बताने को तैयार नहीं है।

10 औद्योगिक इकाईयों को नोटिस जारी होगी

» जनपद स्तरीय समन्वय समिति की प्रथम बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जनपद के शहरी क्षेत्रों में भूजल प्रबन्धन के दीर्घकालिक उपायों हेतु कार्य योजना बनाये जाने के सम्बन्ध में जनपद स्तरीय समन्वय समिति की प्रथम बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश देते हुए कहा, जिन औद्योगिक , अवसंरचनात्मक, वाणिज्यिक एवं सामूहिक भूजल उपयोक्ताओं को भूजल निष्कर्षण हेतु एन0ओ0सी0ली0 जारी की गई है और उनके द्वारा एनओसी की नियत- शर्तों के अनुसार जल का रिचार्ज नहीं किया जा रहा है। उनके विरुद्ध नोटिस जारी किया जाए।

जिलाधिकारी द्वारा नियम एवं शर्तों का पालन न करने वाले थ्रेड्स इंडिया लिमिटेड,लोहिया कॉर्प लिमिटेड, अनीसा कारपेट लिमिटेड, शैम टेक्सटाइल, नमस्ते इंडिया फूड्स, (शिवराजपुर यूनिट)स्पाई पिक फूड एल एल पी,जॉन्सन मैथे केमिकल्स, कानपुर प्लास्टिपैक, सुपर टैनरी, हरिओम इंडस्ट्री, औद्योगिक इकाइयों को नोटिस दिए जाने के निर्देश दिए गए ।जिलाधिकारी ने अपर नगर आयुक्त नगर निगम को निर्देशित करते हुए कहा कि नगरीय क्षेत्रों में स्थित पार्कों एवं तालाबों को चिन्हित कर उनमें वर्षा जल संचयन के प्रभावी उपाय तथा उनके जीर्णोद्धार किये जाने के निर्देश दिये गये ।साथ ही निर्देशित करते हुए कहा कि पार्कों के निर्माण कराते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि पार्कों में केवल 5 प्रतिशत ही निर्माण कराया जाए । जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में में 100 वर्ग मी0या उससे ऊपर सभी प्रकार के भूखण्डों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना करने हेतु सम्बन्धित विभाग द्वारा सुनिश्चित किया जाए।

साथ ही, समस्त सरकारी भवनों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना कराये जाने हेतु समस्त सम्बन्धित विभाग को निर्देशित किया गया ।निर्देश दिए, भविष्य में नये शासकीय / अद्धशासकीय भवनों के निमार्ण में वर्षा जल के जल को ग्राउन्ड वाटर रिचार्जिंग हेतु आवश्यक व्यवस्था कार्यदायी संस्थाओं द्वारा सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने अपर नगर आयुक्त नगर निगम को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि म्युनिसिपल ग्राउन्ड वॉटर सिक्योरिटी प्लान बनाया जाए। जिलाधिकारी ने समस्त निर्माणाधीन सरकारी ,गैर सरकारी कार्यालयों के निर्माण प्रपोजल तैयार करते समय अनिवार्य रूप से रेन वाटर हार्वेसिंग सिस्टम लगाने के निर्देश दिए बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर नगर आयुक्त, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, अधिशासी अभियन्ता, जल निगम नगरीय, सहायक अभियन्ता, लघु सिंचाई विभाग, हाइडोलाजिस्ट, भूगर्भ जल विभाग एवं शुभाषिनी शिवहरे फाउन्डेशन से डा0 शुभाषिनी खन्ना द्वारा प्रतिभाग किया गया।

अम्बेडकर जयंती पर सपा द्वारा मनाया गया स्वाभिमान- सम्मान समारोह

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। सपाइयों ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर ककवन ब्लॉक के औरोंतारपुर गांव में स्वाभिमान सम्मान समारोह का आयोजन किया। सपा बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष इंजीनियर विनय यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर पार्टी बाबा साहब के सम्मान में एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी।

उन्होंने मौजूदा सरकार को घेरते हुए कहा कि वर्तमान समय में महगांई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी चरम पर है। उन्होंने दावा किया की 2027 में सपा की सरकार बन रही है। इस दौरान अजय गौतम, नारायण, रतीराम, ओम, सुमित, सौरभ पाल समेत कई लोग मौजूद रहे।

» एक सप्ताह तक चलेगा कार्यक्रम

» विधानसभा अध्यक्ष बोले महगांई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी चरम पर

गैर शैक्षणिक कार्यों ने तोड़ी परिषदीय शिक्षकों की कमर, गिर रहा शिक्षा का स्तर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जिले के सरकारी स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था को दुरूस्त करने को लेकर केवल आई वॉश हो रहा है। पठन-पाठन व्यवस्था को दुरूस्त करने की दिशा में केवल दिखावा हो रहा है जो वास्तविकता में घोर कमी को दर्शाता है। इस दिशा में बेहतर करने की कवायद जिला प्रशासन द्वारा की जाती है मगर मामला जस का तस है। एक तो जिले में सरकारी स्कूलों की बेहतरी में लगे मानव संसाधन की घोर कमी है वहीं शिक्षकों का अधिकांश समय गैर शैक्षणिक कार्यों में बीत रहा है।

हाउस होल्ड सर्वे, स्कूल चलो अभियान, प्रेरणा पोर्टल, डाटा फीडिंग, अभिभावकों के बैंक खाते जुटाना, मिड डे मील, कम्पोजिट ग्रांट से खरीद, एसएमसी की बैठक और न जाने क्या-क्या। ऐसे ही 33 गैर शैक्षणिक कार्य हैं जिन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षकों को परेशान कर रखा है। स्थिति यह है कि इन कार्यों के कारण शिक्षकों को उनके मूल शैक्षणिक कार्यों के लिए समय नहीं मिल पाता। शिक्षक गैर शैक्षणिक कार्यों में उलझकर रह गए हैं। अब शिक्षा में अगर सुधार की बात करें तो यह कुछ विशेष और सुसज्जित स्कूलों और गिने-चुने उत्कृष्ट शिक्षकों तक सीमित रह जाती है। यह सच है कि कुछ बेहतरीन शिक्षक और शानदार स्कूल एक मिसाल बने हुए हैं परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि पूरे शिक्षाक्षेत्र की हालत इन थोड़े से उदाहरणों के भरोसे नहीं सुधारी जा सकती। इनकी प्रशंसा में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए पर यह भी समझना जरूरी है कि शिक्षा का दायरा अत्यंत विस्तृत है जिसमें केवल कुछ हिस्सों की चमक बाकी हिस्सों के अंधकार को मिटा नहीं सकती। पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में कुछ उत्कृष्ट उदाहरणों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं और नीतियां बनाई गईं। इनसे कुछ स्कूलों और शिक्षकों को जरूर आगे बढ़ने का अवसर मिला लेकिन व्यापक सुधार के लिए इन नीतियों का प्रभाव सीमित रहा। यह ठीक वैसे ही है जैसे एक बड़े फसल क्षेत्र में केवल कुछ पौधों को पानी और खाद दी जाए और बाकी पौधे सूखे रह जाएं। समग्र फसल के लिए समग्र देखभाल आवश्यक है केवल कुछ पौधों की नहीं।

समग्र परिवर्तन के लिए शिक्षा क्षेत्र में सभी स्कूलों और शिक्षकों को साथ लेकर चलने की जरूरत है। यह परिवर्तन छोटे और सीमित दायरे में नहीं बल्कि बड़े और विस्तृत स्तर पर होना चाहिए। शिक्षा प्रणाली को एक मजबूत और सक्षम आधार देने के लिए व्यापक स्तर पर नीतिगत बदलावों की जरूरत है। इस संदर्भ में शिक्षक प्रशिक्षण, संसाधनों का उचित वितरण और पाठ्यक्रम में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। इसके अलावा ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्कूलों की स्थिति में सुधार लाना भी अत्यंत आवश्यक है। कुल मिलाकर केवल कुछ उत्कृष्ट उदाहरणों पर ध्यान केंद्रित करना शिक्षा के क्षेत्र में वास्तविक सुधार नहीं ला सकता। इसके लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें सभी विद्यालयों और शिक्षकों को साथ लेकर चलने की क्षमता हो। बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में एक व्यापक और विस्तृत सुधार की आवश्यकता है ताकि हर बच्चा एक समान और उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त कर सके।

सम्पादकीय

तार्किक हो पेट्रोलियम पदार्थों में मूल्य वृद्धि

ऐसे वक्त में जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के तुगलकी फैसलों से दुनिया की अर्थव्यवस्था हिचकौले खा रही है, देश में बढ़ी महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि कोढ़ में खाज जैसी ही है। निस्संदेह, सरकार का कोई भी फैसला देश के व्यापक व दूरगामी लक्ष्यों को लेकर होता है। वैसे भी पेट्रोलियम पदार्थों पर लगने वाले विभिन्न कर केंद्र व राज्य सरकारों की आर्थिकी के लिये प्राणवायु जैसे होते हैं। लेकिन सरकारों को राजस्व जुटाने के लिये वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। उन मदों में समय-समय पर वृद्धि करना, जो पहले से ही लोगों पर भार डाल रहे हों, सुशासन की दृष्टि से तर्कसंगत नजर नहीं आता। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई के बीच पेट्रोल-डीजल व रसोई गैस की कीमतें लोगों का बजट बिगाड़ रही हैं। सरकार के तमाम मौद्रिक उपाय महंगाई पर काबू पाने में सफल नहीं हो सके हैं। कोरोना संकट के बाद आम आदमी की आय में अपेक्षित वृद्धि भी नहीं हो पायी है। इससे जीवन-यापन कठिन होता जा रहा है। ये तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि लोकसभा व विधानसभा चुनावों के दौरान तेल का खेल होता रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव व उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों पर उत्पाद शुल्क में कमी की थी। हाल में फिर उसमें वृद्धि कर दी गई है। वैसे तो सरकार को भी पता है कि पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से महंगाई की एक श्रृंखला पैदा होती है। लेकिन लगता है कि टैरिफ युद्ध से भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नुकसान की भरपाई सरकार पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बढ़ाकर करना चाहती है। यूं तो हम अपने प्रत्यक्ष लाभ-हानि को दृष्टिगत रखते हैं, जबकि सरकार को व्यापक दृष्टिकोण के साथ दूरगामी फैसले लेने होते हैं। वैसे नागरिकों के हित राष्ट्रहित से अलग नहीं हो सकते। लेकिन फिर भी ऐसे फैसले लेते वक्त संवेदनशील दृष्टि अपनाना जरूरी है।वहीं दूसरी ओर विपक्ष केंद्र सरकार के फैसले को एक अवसर के रूप में देखकर हमलावर हुआ है। उसकी दलील है कि केंद्र का पेट्रोलियम पदार्थों में मूल्यवृद्धि का फैसला तार्किक नहीं है। ऐसे वक्त में जब अंतर्राष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, तो इस मूल्य वृद्धि का क्या औचित्य है। यह भी कि सरकार जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का बोझ जनता के कंधे पर डाल देती है, तो कीमतें घटने का लाभ भी तो उसे मिले। सरकार की दलील है कि पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाया तो है लेकिन बोझ जनता पर नहीं पड़ेगा। सरकार के अनुसार पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बढ़ेंगी। मगर लोगों की चिंता है कि देर-सवेर सरकार पेट्रोल-डीजल के दामों में पिछले दरवाजे से वृद्धि कर सकती है। तेल कंपनियां भी कब तक बढ़े उत्पाद शुल्क वहन करेंगी। वैसे भी सरकारें अपने बजट को संतुलित करने के लिये गाहे-बगाहे पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बदलाव करती रही हैं।

हालांकि, सरकार को पता है कि तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई की नई श्रृंखला पैदा हो जाती है।

क्रिकेट से बड़ा बेचने और कमाने का खेल

प्रदीप शुक्ला

विडंबना यह है कि लाभ-लोलुप कंपनियों और विज्ञापन की दुनिया के लिए, नाटकबाजी का हर हिस्सा अपना माल बेचने और पैसा कमाने का मौका है। किसी को कोई शिकायत नहीं है, निश्चित रूप से इन दोनों मुख्य पात्रों को तो कतई नहीं!ये मेरे भ्रमित मन द्वारा किए गए स्वीकारोक्तिपूर्ण उद?गार हैं, जिसकी वजह है भ्रम के समुद्र में गोते लगा रहा भटका मन, जो अपने आप में एक क्रिकेट लीग को समझने की कोशिश कर रहा है, वह जिसकी दुनिया दीवानी है। मेरी इंद्रियों पर यह हमला अंतहीन है। जब बिल्ली के पंजे जैसी नफासत न होकर क्रूर ताकत से लगाए चौकों-छक्कों की बौछार होते देखता हूं, तो दिमाग चकरा जाता है, प्रतिक्रिया करने में असमर्थ हो जाता है। एकरसता की धुंध छा जाती है। यदि आपने स्टेडियम में कोई मैच देखा है, तो यह सब स्वयं महसूस किया होगा। तो क्या मैं बूढ़ा हो चला हूं? क्या मैंने वह संवेदी बोध खो दिया है, वह जिससे दिल की धड़कन तेज और रंगों में उत्तेजना दौड़ने लगती है।

वह खुमार जो शरीर और मन को जश्न मनाने वाली भीड़ में एक होने को उकसाता है? बेवकूफ, बेवकूफ, बेवकूफज मेरे कानों में अक्सर गूंजता है। मैं चौंक कर उठता हूं और दुखी महसूस करता हूं। धीरे-धीरे समझ में आता है कि ये झिड़कियां मेरे लिए नहीं हैं। ये शब्द टीवी पर हर कहीं सुनाई देते हैं, जब आईपीएल के मैच मैदान पर और स्क्रीन के सामने डटे दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे होते हैं। ये प्रसिद्ध शब्द किसने कहे थे! मन मोहने वाले ऋषभ पंत ने या महान सुनील गावस्कर ने? करोड़ों लोग हर शाम लगातार तीन बार ये शब्द चिल्लाते हुए पंत का खेल देखते हैं, जबकि गावस्कर, जिन्हें साथी कमेंटेटर प्यार से 'सनी जी' संबोधित करते हैं, उनके रुतबे के अनुरूप अधिमान न देकर उनके साथ धोखा किया जा रहा है।

एक ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग प्लेटफॉर्म के लिए किए जा रहे विज्ञापन का दृश्य है कि पंत गावस्कर को उनकी गलती का अहसास कराते हैं, और स्वाभाविक रूप से गावस्कर इस मदद के लिए पंत के आभारी हो रहे हैं। यह विज्ञापन तभी बेहतर समझ में आ सकता है जब आप इन शब्दों के 'क्रिकेटिंग' इतिहास और इन दोनों के साथ इसके संबंध को जानते हों। इसके लिए हाल ही में संपन्न भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज़ में लौटना होगा, जब एक टेस्ट मैच में पंत मैच के अत्यंत महत्वपूर्ण चरण में एक भयानक शॉट पर आउट हो गए और ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों से बतियाने में लगे 'सनी जी' इतने क्रोधित हो गए कि वे गुस्से में उठ खड़े हुए और पूरी गंभीरता से चिल्लाए - 'बेवकूफ, बेवकूफ, बेवकूफ'। गावस्कर द्वारा इन कड़े शब्दों में अपनी नाराजगी व्यक्त करने वाला यह सीन वायरल हो गया और अधिकांश भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की नजरों में पंत एक खलनायक बन गए।

विडंबना यह है कि लाभ-लोलुप कंपनियों और विज्ञापन की दुनिया के लिए, नाटकबाजी का हर हिस्सा अपना माल बेचने और पैसा कमाने का मौका है। किसी को कोई शिकायत नहीं है, निश्चित रूप से इन दोनों मुख्य पात्रों को तो कतई नहीं! इसलिए, जहां आप अपने पसंदीदा क्रिकेटर को सफेद चमड़े की गेंद को धुनते हुए देखते हैं वहीं पंत और गावस्कर को एक-दूसरे को गले लगाते हुए देखने का यह सुखद दृश्य मुस्कुराने और सहज होने का पल है, इससे पहले कि पूर्व की भांति आप लाइव मैच के एक्शन में फिर से खो जाएं। क्या मैं आवश्यक रूप से रूखा, असभ्य और मतलबी हो रहा हूं या फिर पूरी तरह एक बेवकूफ़ हूं? मैं पूरी दुनिया की तरह इस बात पर बहस क्यों नहीं पड़ रहा कि अब तक टूर्नामेंट का सबसे बढ़िया खिलाड़ी कौन है।

स्मार्ट खेती खोलती किसान के बेहतर भविष्य की राह

कृषि में एआई और आईओटी

डॉ. मनु मिड्ढा

देश में कृषि क्षेत्र कई समस्याओं से जूझ रहा है। इनमें लागतें लगातार बढ़ना व पैदावार घटती जाना प्रमुख चुनौती है। ऐसे में एआई और आईओटी तकनीकों का इस्तेमाल कारगर हो रहा है। इसमें खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने व किसान के लिए पर्याप्त आय सुनिश्चित करने की क्षमता है।भारत को दुनिया में कृषि प्रधान देश के रूप में जाना जाता है। जो खेती से अपनी विशाल आबादी की खाद्य आवश्यकताएं पूरी करता है। लेकिन देश में खेती करने वाले किसानों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन, मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट और संसाधनों की सीमित उपलब्धता के चलते कृषि व्यवसाय को समस्याग्रस्त बना दिया है। ऐसे में खेती से जुड़े कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) का इस्तेमाल कृषि क्षेत्र में एक नई क्रांति ला सकते हैं। इन तकनीकों के उपयोग से किसानों को खेती के तरीकों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, उनकी पैदावार भी बढ़ सकेगी और लागत भी कम होगी।

खेती में आईओटी तकनीक की मदद से खेतों में विभिन्न सेंसर लगाए जा सकते हैं, जो पहले बताई गई समस्याओं का समाधान करते हैं। ये सेंसर मिट्टी की नमी, तापमान, पीएच स्तर और पोषक तत्वों (एनपीके) की मात्रा को मापते हैं। सेंसर से प्राप्त रियल-टाइम डेटा एआई मॉडल में जाएगा, जिसके जरिये किसान को जानकारी मिल सकेगी कि मिट्टी की स्थिति कैसी है और फसल को पानी या खाद की जरूरत कब है। इससे किसान

फसल की सेहत को बेहतर समझ सकते हैं और समय पर उसे सही पोषण दे सकते हैं। इसी तरह एआई और आईओटी के जरिए सिंचाई को भी ऑटोमेटेड किया जा सकता है। सेंसर से प्राप्त डेटा के आधार पर तय किया सकता है कि खेत में कब और कितनी मात्रा में पानी देना है। इससे जल की बर्बादी रुकती है और फसल को जरूरत मुताबिक पानी मिलता है।तकनीक के प्रयोग से फसलों में लगने वाले रोगों और कीटों का प्रबंधन अब पहले से आसान हो गया है। पहले किसान तब तक इंतजार करते थे जब तक कि बीमारी पूरी फसल को नुकसान न पहुंचा दे। लेकिन अब एआई आधारित मोबाइल एप जैसे प्लांटिक्स और एग्रीबोट ने इस समस्या का समाधान कर दिया है। किसान फसल की फोटो अपलोड करते हैं, और ये ऐप तुरंत बीमारी का पता लगाकर उसका इलाज सुझाते हैं। इससे तुरंत समस्या के बारे में जानकारी मिलती है और समय पर इलाज संभव है।एआई और आईओटी तकनीकों की मदद से किसान मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी के आधार पर तय कर सकते हैं कि कौनसी फसल लगाना ज्यादा लाभदायक होगा। एआई की मदद से मौसम की भविष्यवाणी भी की जा सकती है। इससे किसान पता लगा सकेंगे कि कब बारिश होगी, कब सूखा पड़ सकता है या कब ठंड पड़ेगी। इस जानकारी के आधार पर फसल की बुआई, कटाई और सिंचाई का सही समय तय कर सकते हैं। मौसम के सटीक पूर्वानुमान के चलते किसान प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं।

आजकल कृषि में ड्रोन तकनीक का भी उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन की मदद से खेतों की निगरानी की जा सकती है। एआई-आधारित इमेज प्रोसेसिंग तकनीक का उपयोग कर किसान जान सकते हैं कि किस हिस्से में बीमारी फैली है या किन क्षेत्रों में अधिक खाद-पानी आदि चाहिये। ड्रोन का उपयोग कीटनाशकों और उर्वरकों के छिड़काव के लिए भी किया जा सकता है, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत होती है।

एआई और आईओटी तकनीकों को कृषि में सफलतापूर्वक लागू करने के लिए सरकार और निजी कंपनियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। पीएम-किसान योजना के तहत किसानों को वित्तीय सहायता दी जा रही है। इसके अलावा, माइक्रोसॉफ्ट और आईबीएम जैसी कंपनियां भी किसानों के लिए एआई-आधारित समाधान विकसित कर रही हैं।

गर्मी में आम पन्ना, लू से ठंडक सहारा!

गर्मियों की एक खास बात है कि आम खाने का स्वाद सबसे ज्यादा बढ़ जाता है। आम पन्ना स्वाद के साथ-साथ मजेदार भी होता है। गर्मियों में सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है आम पन्ना। गर्मियों में आम पन्ना के सेवन से भीषण लू से बचा जा सकता है। आइए आपको चटपटे आम पन्ना की रेसिपी के बारे में बताते हैं।

खासतौर पर गर्मियों सबसे ज्यादा कुछ ठंडा खाने का मन करता है। इस मौसम में ज्यादातार लोग अपनी डाइट में कुछ ऐसी ड्रिंक को एड ऑन करते हैं, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखते हैं। गर्मी मे लू से बचाने के लिए आम पन्ना बेहद ही कारगर साबित होता है। मौसम विभाग ने जारी किया है कि आने वाले दिनों में दिल्ली-एनसीआर में लू के थपेड़ों की शुरुआत होगी। कुछ दिनों दिनों तक राजधानी में 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तापमान रहने की संभावना जताई है। ऐसे में आपको अपनी बॉडी को लू बचाना बेहद जरुरी है।

बाजार में कच्चे आम आ गए हैं। आप अपने घर में कच्चे आम से चटपटा आम पन्ना बना सकते हैं। कच्चा आम में विटामिन सी, बीटा कैरोटीन, एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, पोटैशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, आयरन, कैल्शियम और सोडियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सबसे फायदेमंद होते हैं। आम पन्ना के सेवन से गर्मियों में चलने वाली लू के थपेड़ों से बचा जा सकता है। आइए आपको आम पन्ना की रेसिपी बताते हैं।

आम पन्ना बनाने के लिए सामग्री

2 कच्चे आम, 3-4 बड़े चम्मच चीनी या गुड़, 1 छोटा चम्मच भुना हुआ जीरा पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच काला नमक, 1/4 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर, 2 कप ठंडा पानी, बर्फ के टुकडें, पुदीने की पत्तियां

आम पन्ना की विधि

सबसे पहले आप कच्चे आम को धोकर उबाल लें। अगर आप चाहते हैं तो आम को भून सकते हैं। अब आप आम को ठंडा करके उसका छिलका उतारकर गूदा निकाल लें। फिर आप ब्लेंडर में आम का गूदा, चीनी (या गुड़), भुना जीरा पाउडर, काला नमक और काली मिर्च पाउडर और ठंडा पानी डालकर सभी सामग्री को अच्छे से ब्लेंड करें।

इस मिश्रण को अच्छे से छान लें ताकि इसमें कोई आम का रेशा न रहे। इसके बाद आप एक गिलास लें उसमें बर्फ डालें और ऊपर से आम पन्ना डालकर पुदीने की पत्तियों से सजाकर ठंडा-ठंडा पिएं।

पुदीना का जबरदस्त कमाल, चर्बी बेहाल!

पुदीना एक ताजा जड़ी बूटी है जिसका आमतौर पर औषधीय रुप में उपयोग किया जाता है। पुदीना न केवल अपने ठंडे स्वाद के लिए जाना जाता है, बल्कि इसके संभावित स्वास्थ्य लाभों के लिए भी जाना जाता है - खासकर जब वजन कंट्रोल की बात आती है।

एंटीऑक्सीडेंट और आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर पुदीना फैट,मेटाबॉलिज्म और पाचन में सहायक भूमिका निभा सकता है।

पुदीना पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करता है जो भोजन से पोषक तत्वों को अवशोषित करने और फैट्स को इक्ट्ठा करने के बजाय उपयोग करने योग्य ऊर्जा में परिवर्तित करने में मदद करते हैं।

जबकि पुदीना अकेले वजन घटाने के लिए एक चमत्कारी उपाय नहीं है बल्कि इसे संतुलित आहार और स्वस्थ लाइफस्टाइल में शामिल करने से शरीर की प्राकृतिक फैट्स-जलने की प्रक्रिया में वृद्धि हो सकती है।

गर्मी के दिनों में पुदीना सिर्फ आपको ठंडक ही नहीं देता है, बल्कि यह वजन को कम करने में भी मदद करता है।

डाइजेशन होता है बूस्ट अप

अगर आप पुदीने को डाइट में शामिल करते हैं, तो यह डाइजेशन को बूस्टअप करता है। गौरतलब है कि पुदीना डाइजेस्टिव एंजाइमों को उत्तेजित करता है, जिससे पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है। इसके सेवन से आपका पाचन सही तरह से काम करता है, तो आपका शरीर फैट और कार्बोहाइड्रेट को अधिक बेहतर तरीके से प्रोसेस करता है, जिससे शरीर में अनावश्यक वसा जमा नहीं होता है।

इतना ही नहीं, यह ब्लोटिंग को कम करने में मदद करता है, जिससे आप अधिक लाइट महसूस करते हैं। अतिरिक्त भूख और क्रेविंग को कंट्रोल करता है ज्यादातर लोगों को वजन इसलिए भी कम नहीं हो पता है कि क्योंकि उनको बार-बार अनहेल्दी फूड्स की क्रेविंग्स होने लगती है।

इसलिए आप अपने आहार में पुदीना को जरुर शामिल करें। इसके सेवन से आपको भूख भी कम लगेगी और बार-बार खाने की इच्छा भी कंट्रोल रहेगी। पुदीने के पत्ते या पुदीन के फ्लेवर वाली ड्रिंक्स को अपनी डाइट में एड ऑन कर सकते हैं। इससे आपके शरीर से जिद्दी चर्बी गायब होने लगेगी।

बॉडी को डिटॉक्स करता है

पुदीने के सेवन से आपको यह फायदा होगा कि आपकी बॉडी को डिटॉक्स करने में मदद मिलेगी। दीना एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद करता है।

यह आपकी बॉडी को अंदर से साफ और डिटॉक्स करता है। पाचन बेहतर रहता है और ब्लोटिंग भी नहीं होती है। इसके साथ ही यह फैट को बर्न करता है।

डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामा*न्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।*

दो मई को खुलेंगे द्वार, केदारनाथ चलें इस बार!

हिंदू पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक केदारनाथ है। इस साल 2 मई से केदारनाथ के कपाट खुलने वाले हैं। यदि आप हैलीकॉप्टर से केदारनाथ की यात्रा करना चाहते हैं, तो हम आपको इस लेख में बताएंगे कि कब, कैसे बुकिंग होगी और कितना किराया लगेगा।

शिव भक्त अपने आराध्य देवों के देव महादेव से मिलने के लिए सदैव उत्सुक रहते हैं। केदारनाथ यात्रा को लेकर भी श्रद्धालू काफी ज्यादा एक्साइटेड रहते हैं। हर साल अप्रैल के अंत या फिर मई की शुरुआत में मंदिर के कपाट खुलते हैं और लाखों भक्त भोलेनाथ के दर्शन के लिए जाते हैं। केदारनाथ सबसे पवित्र हिंदू तीर्थ स्थलों में से एक है। केदारनाथ 12 ज्योतिर्लिंगों और चारधाम में से एक है।

रुद्रप्रयाग जिले में 11,968 फीट की ऊंचाई पर है। मंदिर तक पहुंचने के लिए 24 किलोमीटर की कठिन यात्रा करनी पड़ती है। इस चढ़ाई को पूरा करने के लिए 3 से 5 दिन लग जाते हैं। कुछ लोग पैदल यात्रा करते हैं, तो कुछ पोनी/पालकी या फिर हैलीकॉप्टर से यात्रा पूरी करते हैं। अगर आप हैलीकॉप्टर से यात्रा करना चाहते,तो आपको पहले बुकिंग करनी होगी। आइए आपको बताते हैं कब, कैसे बुकिंग होगी और कितना किराया लगेगा।

कब से केदारनाथ के कपाट खुल रहे हैं? सर्दियों के दौरान 6 महीने तक केदारनाथ के कपाट बंद रहे थे। अब 2 मई 2025 से केदारनाथ मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खुल जाएंगे। हैलीकॉप्टर की बुकिंग कब शुरु होगी? आपको बता दें कि, 8 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से श्री केदारनाथ धाम और श्री हेमकुंड साहिब के लिए हेलीकॉप्टर टिकट बुकिंग शुरु कर दी है।

कहां से बुकिंग करें

केदारनाथ यात्रा के लिए हैलीकॉप्टर बुकिंग आप ढ्ढ्रष्टञ्जष्ट हेली यात्रा वेबसाइट की जा सकती है।

कितना होगा किराया?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, केदारनाथ हेली सेवा के किराये में 5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अब सिरसी से केदारनाथ तक का किराय 6060 रुपये, फटा से केदारनाथ तक का किराया 6062 रुपये और गुप्तकाशी से केदारनाथ तक का किराया 8532 रुपये हो सकता है। इसके लिए आपको सबसे पहले केदारनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन करना जरुरी है। इसके बाद ही आप हैलीकॉप्टर की बुकिंग कर सकते हैं, जब अपने यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन किया हो।

26/11 का गुनहगार तहव्वुर राणा भारत पहुंचने वाला है

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। मुंबई 26/11 आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा कभी भी भारत पहुंच सकता है। अमेरिका से प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरे होने के बाद उसे भारतीय सुरक्षा अधिकारियों के कस्टडी में विमान से भारत लाया जा रहा है। 10 अप्रैल की सुबह राणा भारत पहुंच जायेगा।राणा के भारत आने के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिरासत में सौंपा जाएगा। दिल्ली और मुंबई की जेलों में उसकी निगरानी और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि अमेरिका की न्यायिक सिफारिशों के अनुसार उसे पूरी सुरक्षा और निगरानी में रखा जा सके।

» 10 अप्रैल की सुबह राणा भारत पहुंच जायेगा,, राणा के भारत आने के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिरासत में सौंपा जाएगा।

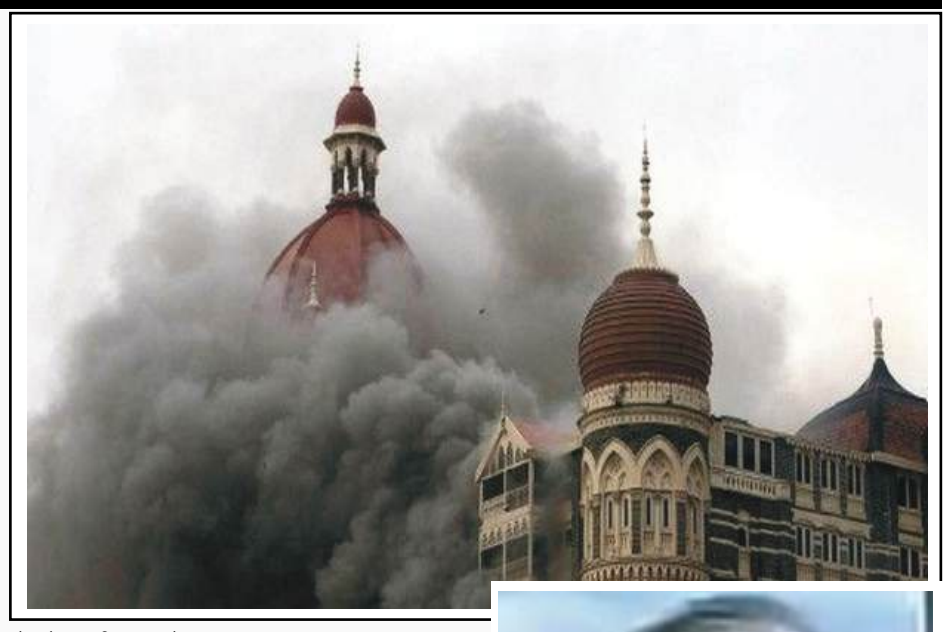

भारत की ओर से राणा के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया वर्ष 2019 में शुरू हुई थी। उस समय केंद्र सरकार ने अमेरिका से इस संबंध में औपचारिक मांग की थी। इसके बाद भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों और कूटनीतिक प्रयासों का नतीजा यह रहा कि अमेरिकी अदालत ने भारत के पक्ष में फैसला सुनाया। इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस प्रत्यर्पण की पुष्टि करते हुए कहा था कि तहव्वुर राणा को भारत में न्याय का सामना करना होगा। यह मोदी सरकार की लगातार कोशिशों और अमेरिकी प्रशासन से कूटनीतिक समन्वय का परिणाम है।

तहव्वुर राणा पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का सक्रिय सदस्य रहा है। उसने अपने सहयोगी डेविड कोलमैन हेडली की मदद की, जिसने 26/11 से पहले भारत आकर हमलों के संभावित ठिकानों की रेकी की थी। राणा ने हेडली को पासपोर्ट और जरूरी दस्तावेज दिलवाए, जिससे वह भारत में बिना किसी रोक-टोक के घूम सका और लश्कर-ए-तैयबा को अहम सूचनाएं दे सका। इस पूरे हमले की योजना लश्कर और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने मिलकर बनाई थी, जिसमें राणा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

वह मारे गए लोगों की संख्या पर खुशी जाहिर कर रहा था...

हमले के दिन यानी 26 नवंबर 2008 को जब मुंबई के कई स्थानों पर आतंकी हमला हो रहा था, उस समय राणा अमेरिका में बैठकर घटनाक्रम की पल-पल की जानकारी ले रहा था। जांच में सामने आया कि वह मारे गए लोगों की संख्या पर खुशी जाहिर कर रहा था और कह रहा था कि इन आतंकियों को पाकिस्तान का सबसे बड़ा सैन्य सम्मान मिलना चाहिए। राणा का यह रवैया उसकी कट्टर सोच और आतंक के प्रति झुकाव को स्पष्ट करता है।

राणा का जन्म पाकिस्तान में हुआ था। उसने आर्मी मेडिकल कॉलेज से डॉक्टर की पढ़ाई की और लगभग दस वर्षों तक पाकिस्तान की सेना में सेवा दी। इसके बाद वह कनाडा चला गया और वहीं का नागरिक बन गया, लेकिन आईएसआई और लश्कर के साथ उसके संबंध पहले की तरह कायम रहे। वह आईएसआई के मेजर इकबाल का नजदीकी माना जाता है, जिसने मुंबई हमलों की साजिश रची थी।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, तहव्वुर राणा हमले से कुछ दिन पहले 11 से 21 नवंबर 2008 तक भारत में मौजूद था। वह दुबई के रास्ते भारत आया था और मुंबई के पवई इलाके में स्थित रेनेसां होटल में ठहरा था। हमले से ठीक पहले ही वह भारत से निकल गया था, जिससे यह साफ होता है कि उसकी भूमिका सिर्फ योजना तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह ज़मीनी स्तर पर भी सक्रिय था।

तहव्वुर राणा को 2009 में अमेरिका की एफबीआई ने उस समय गिरफ्तार किया, जब वह डेविड हेडली के साथ डेनमार्क के एक अखबार पर आतंकी हमले की साजिश रच रहा था। इसी दौरान जांच एजेंसियों को 26/11 हमले में उसकी भूमिका के सबूत मिले। अमेरिका ने पहले ही हेडली को सजा सुना दी है, लेकिन अब भारत में राणा के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी।

लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ आखिर क्यों हो रहा जर्जर

राजेश कटियार

मीडिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। भारतीय मीडिया का एक बड़ा हिस्सा आज इस आरोप का सामना कर रहा है कि वह जनता से महत्वपूर्ण समाचार छुपाता है और सरकार का अधिक समर्थन करता है हालांकि यह स्थिति पूरी तरह से हर मीडिया संस्थान या पत्रकार पर लागू नहीं होती लेकिन कई उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि मीडिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। सर्वे रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय मीडिया अपनी विश्वसनीयता पूरी तरह खो चुका है। नामी गिरामी मीडिया हाउसों का स्वरूप पिछले कुछ दशकों में तेजी से बदल गया है। कभी ये संस्थान मात्र समाचार पत्र और पत्रिकाओं तक सीमित थे जिनका एकमात्र उद्देश्य जनमानस को सटीक जानकारी पहुँचाना और सामाजिक जागरूकता फैलाना था लेकिन समय के साथ मीडिया ने अपने व्यवसायिक दायरे को कई गुना बढ़ाया और धीरे-धीरे यह एक बहुआयामी उद्योग का रूप ले चुका है। पहले ये न्यूज चैनल के बिजनेस में उतरे फिर इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों के रूप में मेले और महोत्सवों का आयोजन करने लगे। अब इनकी गतिविधियाँ सिर्फ खबरें या मनोरंजन तक सीमित नहीं रहीं बल्कि यह कई तरह के आयोजनों जैसे किसान मेला, ऋण मेला, एजुकेशन फेयर और ओलंपियाड जैसी चीजों को भी धंधे की शक्ल में उतार चुके हैं।

खबरों के नाम पर अब इवेंट का खेल है, सच की जगह अब बिजनेस का मेल है।

मीडिया अब सिर्फ खबर देने वाला नहीं रहा बल्कि एक इवेंट और व्यवसायिक मॉडल के रूप में उभर रहा है। सवाल यह उठता है कि क्या इस व्यवसायिक मॉडल में पत्रकारिता की मूल भावना कहीं खो गई है। जब मीडिया एक बिजनेस मॉडल की ओर बढ़ता है तो उसका पहला उद्देश्य खबरों के बजाय मुनाफा कमाना हो जाता है। इस व्यावसायिकता ने मीडिया की निष्पक्षता और जनता के प्रति उसकी जवाबदेही को कमजोर किया है।

साहित्य की सच्चाई, जब बिकने लगे बाजार, मंचों पर विचार नहीं, व्यापार का होता प्रहार।

वर्तमान में इन मीडिया हाउसों की एक नई दिशा साहित्यिक संवाद के मंच पर देखने को मिल रही है। एक के बाद एक विभिन्न मीडिया कंपनियां साहित्यिक महोत्सवों और संवादों का आयोजन कर रही हैं। यह कदम उनकी व्यावसायिक रणनीति का एक हिस्सा है जिसमें साहित्यिक विरासत को भी बाजार का हिस्सा बना दिया गया है।

प्रश्न यह उठता है कि क्या यह साहित्य और संवाद की गहराई को समृद्ध करने का प्रयास है या फिर महज व्यावसायिक लाभ की ओर बढ़ता एक और कदम।

मीडिया का साहित्यिक संवाद में प्रवेश, एक ओर जहाँ साहित्य के प्रचार-प्रसार में मदद कर सकता है, वहीं इसके पीछे छिपी व्यावसायिक मंशा पर सवाल भी खड़ा करता है। यह समझना जरूरी है कि साहित्यिक आयोजनों का मूल उद्देश्य समाज के बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना और साहित्यकारों के विचारों का आदान-प्रदान करना है लेकिन जब ऐसे मंचों का आयोजन मीडिया हाउस के हाथ में आ जाता है तो साहित्य के मूल्यों के बजाय विज्ञापन, पब्लिसिटी और पैसा कमाने की होड़ दिखाई देती है। साहित्य का व्यवसायीकरण इसे एक प्रोडक्ट की तरह बाजार में बेचने की ओर इशारा करता है जहाँ इसकी गहराई और संवेदनशीलता कहीं खो जाती है। इस व्यावसायिकता का प्रभाव साहित्य के स्तर पर भी पड़ सकता है।

साहित्यिक आयोजन एक बौद्धिक अभिव्यक्ति के मंच होते हैं जहाँ विचारों का आदान-प्रदान समाज की सोच और दृष्टिकोण को प्रभावित करता है लेकिन जब इन मंचों का उद्देश्य मुनाफा कमाना हो जाता है तो साहित्यकारों के विचार भी व्यावसायिकता के छाँव में आ जाते हैं। इस प्रकार साहित्य का स्थान धीरे-धीरे बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप तय होता है जिससे उसकी स्वतंत्रता और गहराई खतरे में पड़ जाती है।

यहां तक कि साहित्य की पवित्रता भी अब बिजनेस के इस बढ़ते दायरे का हिस्सा बनती जा रही है। मीडिया का यह नया रूप उसके पहले के रूप से बिल्कुल भिन्न है जहां वह समाज के प्रति अधिक जवाबदेह था। अब वह अपने व्यावसायिक लाभ के पीछे दौड़ता दिखता है और उसकी जिम्मेदारी कहीं पीछे छूटती जा रही है। इस बदलाव पर विचार करते हुए हमें यह सवाल करना चाहिए कि क्या पत्रकारिता अपनी मूल भूमिका से दूर जा रही है या यह नया रूप उसकी आवश्यकता बन गया है।

प्रदर्शनी में दिखा भाजपा के 46 साल का सफर

जिला अध्यक्ष रेणुका सचान राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने किया शुभारंभ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भाजपा पार्टी कार्यालय माती में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा के 46 साल का सफर दिखा। अटल-आडवाणी से लेकर मोदी तक की दुर्लभ तस्वीरें लगी नजर आई। जिला अध्यक्ष रेणुका सचान राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला राज्य मंत्री अजीत पाल विधायक पूनम शंखवार ने फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में भाजपा के 46 वर्षों की यात्रा को दर्शाती दुर्लभ तस्वीरें लगाई गई हैं। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का कानपुर देहात दौरा शामिल है। पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की यात्राओं की तस्वीरें भी प्रदर्शित की गई हैं। प्रदेश के सभी भाजपा मुख्यमंत्रियों और जिले के पूर्व भाजपा अध्यक्षों के चित्र भी लगाए गए हैं।

जिला अध्यक्ष रेणुका सचान ने कहा कि भाजपा ने अपनी यात्रा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। अटल और मोदी के नेतृत्व में सुशासन को प्राथमिकता मिली। पार्टी 140 करोड़ देशवासियों तक अपनी पहुंच बना रही है। इस दौरान राजेंद्र सिंह चौहान, राम जी मिश्रा, बृजेंद्र सिंह, मदन पांडे, शिव वीर भदोरिया, ज्योत्सना कटियार कुसुम लता,कटियार सौरभ मिश्रा कल्पना सक्सेना श्यामू शुक्ला विकास मिश्रा जिला मीडिया प्रभारी आदि रहे।

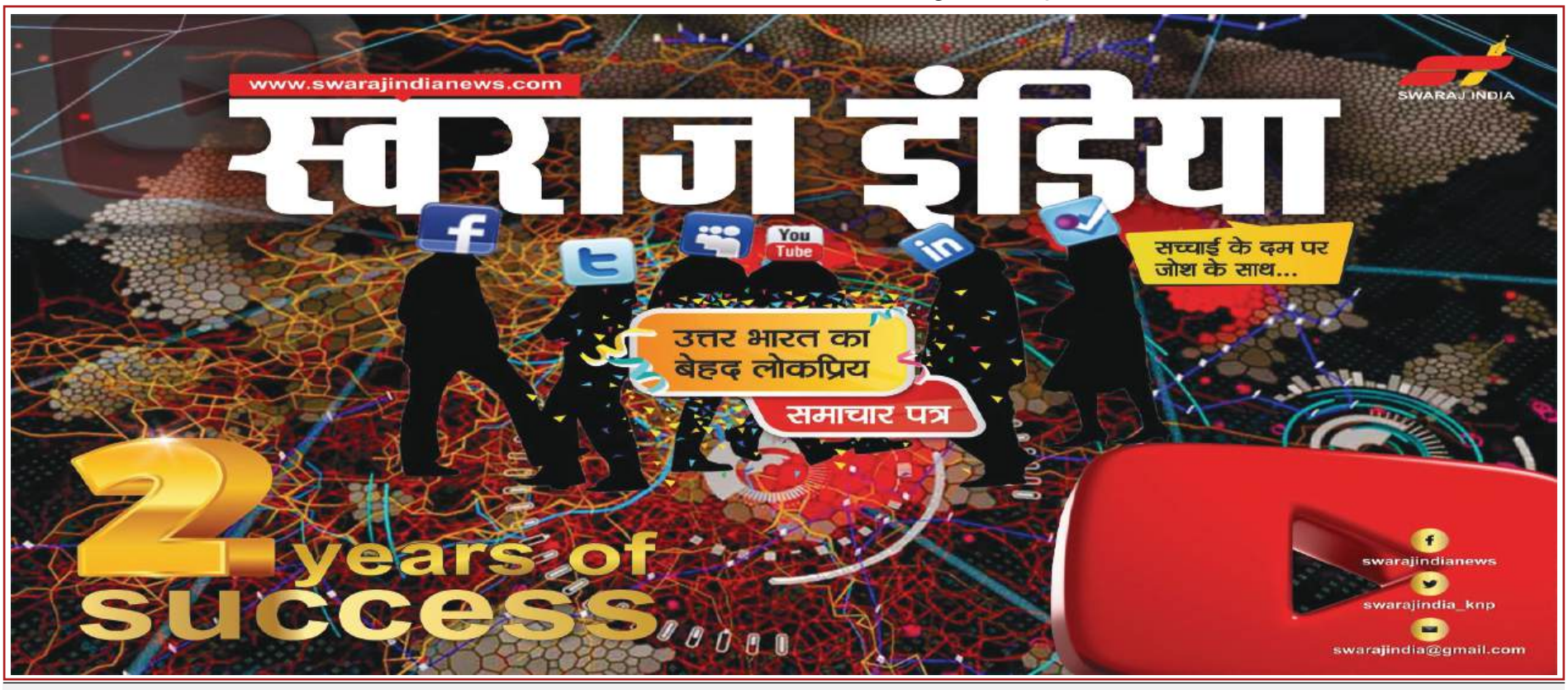

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | **प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)**

बस अड्डे की बजाय पुलिस चौकी के पास खड़ी हो रहीं रोडवेज बसें

लखनऊ सुल्तानपुर हाईवे पर हैदरगढ़ चौकी के पास अक्सर बसें खड़ी रहती है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी । कस्बे में चंद कदमो की दूरी पर रोडवेज का बस अड्डा है लेकिन बसे वहां न जाकर हैदरगढ़ मुख्य चौराहे पर चौकी के पास ही खड़ी हो जाती हैं ।जिससे वहां पर जाम लग जाता है यातायात प्रभावित होता है साथ ही यात्रियों को बैठने और उतरने से हादसों का भी खतरा बना रहता है। इसके साथ टैक्सी का अवैध स्टैंड भी है। बस के खड़े हो जाने से विपरीत दिशा और साइड से आ रहे हैं वाहनों से यात्रियों और आम ग्रामीण को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लखनऊ सुल्तानपुर हाईवे पर हैदरगढ़ चौकी के पास अक्सर बसें खड़ी रहती है। इस मार्ग पर आजमगढ़ सुल्तानपुर जौनपुर सहित कई जिलों की बसे चलती है रोडवेज के अधिकारी बस स्टैंड पर ना रुकने वाली बसों पर कोई कार्यवाही नही करते हैं । इस बात को लेकर जब एआरएम से सम्पर्क करने की कोशिश की गई तो बात नहीं हो सकी। मण्डल उपाध्यक्ष विकास पाण्डेय ,मण्डल महामंत्री संतोष श्रीवास्तव, योगेश द्विवेदी आदि ने बताया बस वाले अपने साथ सवारियो की भी जान जोखिम में डालते हैं अक्सर सवारियों के लिए बस कंडक्टर आपस में झगड़ा भी करते हैं । चौराहे पर कोई सुविधा नहीं है। चौकी इंचार्ज कपिल देव यादव ने बताया कई बार बसों को यहां से भगाया जाता है लेकिन मौका देखकर फिर रोक देते हैं।

साहब ! मेरे पति का पुलिस कर रही उत्पीड़न

» एक महिला ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। देवा थाना क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। उखड़ी गांव की रहने वाली राम प्यारी गुप्ता ने बुधवार सुबह करीब 10 बजे एसपी को शिकायती पत्र सौंपा।

राम प्यारी ने बताया कि उनका पुत्र 2018 से 2023 तक सऊदी अरब में नौकरी करता था। वापस आने के बाद एक व्यक्ति ने उनके पुत्र से सऊदी अरब में नौकरी के लिए मदद मांगी। उनके पुत्र ने उस व्यक्ति को मुंबई में एक एजेंट से मिलवाया।

एजेंट ने विपक्षी को वीजा, हवाई टिकट और नौकरी की व्यवस्था की। लेकिन बाद में विपक्षी ने सऊदी अरब जाने से मना कर दिया। राम प्यारी का कहना है कि विपक्षी ने सारा पैसा सीधे एजेंट को दिया था, उनके पति को नहीं।

महिला का आरोप है कि इसके बावजूद पुलिस उनके पति को प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए एसपी से उचित जांच की मांग की है।

देवा थाना प्रभारी अजय त्रिपाठी ने बताया कि मामला पैसे के लेनदेन का है और युवक को पूछताछ के लिए थाने पर लाया गया है छानबीन के बाद मुकदमा दर्जकर आगे की कार्रवाई होगी

सिंचाई के अभाव में सूख रहे ग्रीन बेल्ट के पौधे

» अनदेखी से सुरक्षा के लिए लगाए गए कई ट्रीगार्ड भी टूट गए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रामनगर (बाराबंकी)- बांदा बहराइच हाईवे की ग्रीन बेल्ट पर वन विभाग द्वारा रोपित किए गए पौधों में सूखने टूटने के बाद बचे पेड़ो को समय से पानी तक नसीब नही हो पा रहा है। जिससे तमाम पेड़ सूखने की कगार पर पहुंच गए हैं। हरित पट्टी पर लगे पेड़ों के विकास में झाड़ियां भी रोड़ा बन रही हैं। सुरक्षा के लिए लगाए गए कई ट्रीगार्ड भी टूट गए। लेकिन वन क्षेत्र के जिम्मेदार उदासीन बने है। वातावरण शुद्ध रखने व हरियाली बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष मानसून के दौरान वन विभाग की ओर से वृक्षारोपण अभियान चलाकर पौधे रोपित किए जाते हैं। जिनकी देखरेख की जिम्मेदारी भी वन विभाग की होती हैं। लेकिन विभागीय लापरवाही के चलते अधिकतर यह सब सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह जाता है।

ज्ञात हो कि वन क्षेत्र रामनगर के गोंडा बहराइच हाईवे के दोनों किनारों पर वन विभाग द्वारा ग्रीन बेल्ट बनाकर विभिन्न पौधे लगाए गए थे। जिनकी सुरक्षा के लिए लाखों रुपए की लागत से ट्री गार्ड बनाए गए और खंबे लगाकर कटीले तार भी बांधे गए। लेकिन देखरेख के अभाव में तमाम पेड़ सूख कर टूट गए। अब जो पेड़ लगे हैं वह भी कई महीनों से पानी का इंतजार कर रहे। इस वक्त भीषण गर्मी शुरू हो गई है जिसके चलते धीरे-धीरे तमाम पेड़ सूखने की कगार पर पहुंच रहे। यही नही हरित पट्टी पर लगे पेड़ो पर झाड़ियों का प्रकोप पड़ रहा है। जिससे पेड़ की टहनियां नीचे की और फैल रही हैं। और पेड़ों का विकास नहीं हो पा रहा है। पेड़ों की सुरक्षा के लिए सीमेंट और ईट से बनाए गए तमाम ट्री गार्ड भी टूट गए हैं। खम्भे लगाकर कटीले तार जो लगाए गए थे उसमें भी तमाम खंबे टूट कर गिर गए हैं। इस संबंध में डीएफओ आकाश बधावन ने बताया कि तत्काल मौके पर टीम भेजकर जांच करवा रहे है यदि ऐसा है तो जल्द ही व्यवस्थाएं दुरुस्त कराई जाएगी।

एडीजी तकनीकी नवीन अरोरा ने बढ़ाया यूपी पुलिस का मान

दोषसिद्धि पोर्टल को पुलिस एवं सुरक्षा श्रेणी में स्कॉच पुरस्कार से सम्मानित किया गया

» राष्ट्रीय स्तर पर मिला यूपी पुलिस को सम्मान

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। प्रदेश सरकार की अपराधियों के प्रति चलाई गई जीरो टॉलरेंस मुहिम को शानदार तरीके से धार देकर बड़े-बड़े अपराधियों को अधिकतम सजा दिलाने के सघन प्रयास किये जा रहे हैं।

इस नीति के तहत प्रदेश का अभियोजन पोर्टल देश में नम्बर वन बन गया है।देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश पुलिस की तकनीकी सेवा इकाई द्वारा संचालित जांच,अभियाजन एवं दोषसिद्धि पोर्टल को पुलिस एवं सुरक्षा श्रेणी में स्कॉच पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।तेजतर्रार छवि के कर्तवनिष्ठ एडीजी तकनीकी सेवाएं नवीन अरोरा ने यूपी पुलिस के मुखिया डीजीपी प्रशांत कुमार को मंगलवार को स्कॉच अवॉर्ड का प्रमाणपत्र सौंपा गया है।

एडीजी तकनीकी सेवाएं नवीन अरोरा ने बताया कि इस पोर्टल व्यवस्था के जरिए माफिया से संबंधित अपराधों,पोक्सो,रेप व अन्य जघन्य और संवेदनशील मामलों की पहचान कर मामलों की समयबद्ध विवेचना और चार्जशीट दाखिल करने की प्रक्रिया की लगातार निगरानी करता है।पोर्टल के माध्यम से अब तक लगभग 85,000 दोष सिद्धियां प्राप्त हुई है और पांच वर्ष से अधिक पुराने 40,000 से अधिक लंबित मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया है।देश में अपराधियों को सजा दिलाने में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है.

लबित मामलों पर एडीजी ने अफसरों को लगाई फटकार..

एडीजी आलोक सिंह एवं झांसी रेंज के डीआईजी केशव कुमार चौधरी ने मंगलवार को पुलिस लाइन्स स्थित सभागार कक्ष में अपराध एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा की

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

ललितपुर। कानपुर जोन की धरती में तैनात तेजतर्रार छवि के एडीजी आलोक सिंह एवं झांसी रेंज के डीआईजी केशव कुमार चौधरी ने मंगलवार को पुलिस लाइन्स स्थित सभागार कक्ष में अपराध एवं कानून-व्यवस्था बैठक कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।एडीजी आलोक सिंह ने कहा कि वांछित आरोपितों की गिरफ्तारी व लम्बित अभियोगों की विवेचना के निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।महिला संबंधी अपराधों में त्वरित निरोधात्मक कार्रवाई की जाए।

गोवध निवारण अधिनियम के आरोपितों पर गैंगस्टर आदि की कार्रवाई करें।जघन्य अपराधों तथा संपत्ति संबंधी अपराधों में संलिप्त अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोलकर विशेष निगरानी की जाए।इसके साथ ही इनामियों,वांछितों व वारंटियों की धरपकड़ में तेजी लाने तथा अवैध शराब पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया।एडीजी ने चोरी,लुट आदि के लंबित मामलों पर थाना प्रभारियों को जमकर क्लास लगाई।उन्होंने समय सीमा के अंदर इन मामलों का निस्तारण करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्राधिकारी व थानाध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था को एकदम चुस्त और दुरुस्त रखें।समीक्षा बैठक में एसपी,एएसपी,सभी क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारी मौजूद रहे।

रामनगरी में दिखा रफ्तार का कहर!

» लता मंगेशकर चौक पर मौत का तांडव

» एक की जान गई, तीन लड़ रहे जिंदगी की जंग

एक डंपर चालक ने चार निर्दोष लोगों को रौंद दिया। हादसा इतना भयानक था कि चंद सेकंड में सबकुछ बदल गया – किसी की दुनिया उजड़ गई, किसी की सांसें थम गईं और किसी के अपनों की जिंदगी अब अस्पताल के आईसीयू में झूल रही है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने रुंधे गले से बताया, ‘हम चाय पी रहे थे, तभी अचानक एक तेज़ आवाज़ आई... ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो। जब देखा तो डंपर फुटपाथ पर चढ़ चुका था, लोग उसके नीचे थे... चीखें गूंज रही थीं।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या के लता चौक की शांत रात मंगलवार को एक दर्दनाक चीख में तब्दील हो गई, जब नशे में धुत डंपर पहले नयाघाट चौकी के बगल में बने पुलिस बैरियर को तोड़ता हुआ आया, फिर बिजली के पोल को गिराता हुआ लता चौक पर खड़े लोगों को कुचल गया। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हैं, जिनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

डॉक्टरों के अनुसार, घायलों को सिर में गंभीर चोटें आई हैं और उनका इलाज हायर सेंटर में चल रहा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डंपर और चालक को कब्जे में ले लिया है।

कोतवाल मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि चालक पूरी तरह नशे में था और कोयला उतारकर लौटते वक्त यह हादसा हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही आईजी प्रवीण कुमार मौके पर पहुंचे और राहत कार्यों की निगरानी की। अब पूरा अयोध्या शोक में डूबा है और लोग सवाल कर रहे हैं — क्या सिर्फ तेज़ रफ्तार और शराब ने एक ज़िंदगी लील ली, या हमारी लापरवाही भी कहीं न कहीं इसकी गवाह है?

अयोध्या : तांत्रिक की रहस्यमयी हत्या के करीब पहुंची पुलिस

डोभीयारा गाँव में हुई वारदात पर अयोध्या में चर्चा गर्म, पुलिस जांच अंतिम दौर में

» स्वराज इंडिया फालोअप

» पुलिस की मिले मजबूत इनपुट

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। डोभीयारा गाँव में धारदार हथियार से हुई तांत्रिक की सनसनीखेज हत्या के बाद अब अयोध्या के चौराहों, चाय की दुकानों और गलियों में इस रहस्यमयी घटना को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। आम जनमानस को अब इस बात की उम्मीद है कि जल्द ही इस हत्या की गुत्थी सुलझ जाएगी और आरोपी कानून की गिरफ्त में होंगे।

इस मामले में पुलिस की कई टीमों द्वारा लगातार हर पहलू की गहनता से जांच की जा रही है। सूत्रों की मानें तो सीओ मिल्कीपुर के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम इस वारदात का जल्द खुलासा कर सकती है।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस केस को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

थानाध्यक्ष देवेंद्र पांडेय, जिनकी अपराध अन्वेषण में दक्षता जगजाहिर है, अपनी टीम के साथ बेहतर तालमेल बनाकर कार्य कर रहे हैं।गौरतलब है कि हाल ही में पुलिस ने 7 वर्षों से फरार चल रहे 25 हजार के इनामी अपराधी अखिलेश सिंह को सलाखों के पीछे भेजा था, जिसमें वरिष्ठ उप निरीक्षक आलोक सिंह की अहम भूमिका रही। इससे पुलिस टीम की तत्परता और सूझबूझ साफ झलकती है।

सीओ मिल्कीपुर के नेतृत्व में इससे पूर्व भी कई जटिल मामलों को सुलझाया गया है। पाराताजपुर की एक हत्या में जहां शव प्लास्टिक की बोरी में मिला था, वहां कुछ ही घंटों में अपराध का खुलासा कर टीम ने प्रशंसा बटोरी थी। अब सबकी निगाहें इस तांत्रिक की हत्या के रहस्य से पर्दा उठने पर टिकी हैं। जल्द ही सच्चाई सामने आने की उम्मीद है।

यूपी जैन तीर्थंकरों की पवित्र भूमिः सीएम योगी

विश्व नमोकार महामंत्र दिवसः मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी के बताए नौ संकल्पों को जीवन में उतारने की अपील की

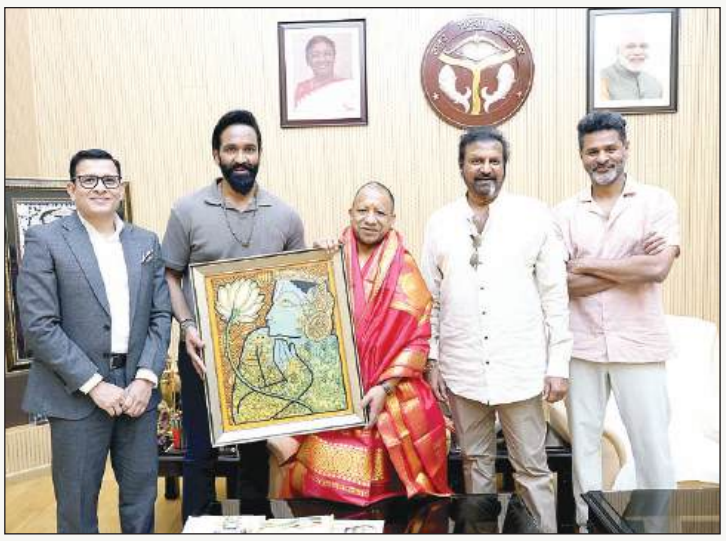

लखनऊ में आज सीएम योगी आदित्यनाथ से मोहन बाबू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. एम मोहन बाबू, फिल्म निर्माता प्रभु देवा, अभिनेता विष्णु मांचू और विनय माहेश्वरी ने शिष्टाचार मुलाकात की एवं मुख्यमंत्री को भगवान श्रीराम की तस्वीर भेंट की।

» सीएम बोले- नमोकार महामंत्र भौतिक, दैवीय और आध्यात्मिक तीनों प्रकार के दुखों से मुक्ति दिलाने का साधन।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की धरती जैन तीर्थंकरों की पावन भूमि रही है। अयोध्या में भगवान ऋषभदेव का जन्म हुआ, जो अयोध्या के राजा थे। अयोध्या में ही 5 तीर्थंकरों ने जन्म लिया। वहीं, काशी की धरती पर भी तीर्थंकर का जन्म हुआ है। हमारे तीर्थंकरों ने यहीं से धर्म और साधना की परंपरा को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को संगीत नाटक अकादमी, गोमती नगर लखनऊ में विश्व नमोकार महामंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। शांति, ऊर्जा, सकारात्मकता और विश्व कल्याण के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन की तरफ से किया गया।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिए गए प्रेरणादायक संदेश का भी उल्लेख किया। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने व्यवहारिक जीवन में नमोकार महामंत्र को उतारने के लिए 9 संकल्प बताए हैं, जिन्हें हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं भी दीं और जैन धर्म की अहिंसा और परोपकार की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की।

नमोकार महामंत्र से मिलती है दुखों से मुक्तिः योगी

मुख्यमंत्री योगी ने नमोकार महामंत्र के महत्व को बताते हुए कहा कि यह महामंत्र भौतिक, दैवीय और आध्यात्मिक तीनों प्रकार के दुखों से मुक्ति दिलाने का साधन है। साधना, आत्मशुद्धि और लोक कल्याण की भावना से जुड़कर व्यक्ति न केवल स्वयं का कल्याण करता है, बल्कि समाज और दुनिया के लिए भी प्रेरणा बनता है। सीएम योगी ने कहा कि सभी 24 तीर्थंकरों का जीवन लोककल्याण के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने अपने उपदेशों और साधना के माध्यम से जीवन जीने की एक उच्च परंपरा स्थापित की। जैन धर्म की ये शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। हर भारतीय को उनसे प्रेरणा लेकर अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

दुनिया भर में पहली बार एक साथ हुआ आयोजन

मुख्यमंत्री योगी ने विश्व नमोकार महामंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि पहली बार पूरी दुनिया में विश्व नमोकार महामंत्र दिवस का एक साथ आयोजन कर जैन धर्म की शिक्षाओं को वैश्विक मंच पर स्थापित किया गया है। यह सभी के लिए प्रेरणा का माध्यम बनेगा। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी को भगवान महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सभी से जैन धर्म के उपदेशों को आत्मसात करने की अपील की।

महाकुंभ संभालने वाले विजय किरन को बड़ी जिम्मेदारी

सीएम योगी ने इन्वेस्ट यूपी का नया सीईओ बनाया

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

महाकुंभ के दौरन बनाए गए नए जिले महाकुंभ नगर के जिलाधिकारी रहे और इस समय प्रयागराज के मेलाधिकारी विजय किरन आनंद को सीएम योगी ने बड़ी जिम्मेदारी देते हुए इन्वेस्ट यूपी का सीईओ बना दिया है। इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश को पिछले दिनों घूसखोरी के आरोप में निलंबित करते हुए यहां से हटा दिया गया था। 2009 बैच के आईएएस अधिकारी विजय किरन की गिनती सीएम योगी के बेहद करीबी अधिकारियों में होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी से सांसद बनने के बाद विजय किरन को वहां का जिलाधिकारी बनाया गया था।

इसके बाद सीएम योगी ने अपने जिले गोरखपुर में भी विजय किरन को जिलाधिकारी की जिम्मेदारी दी थी। 2019 के कुंभ और इसी साल हुए महाकुंभ का पूरा जिम्मा भी विजय किरन को सौंपा गया था। उन्हें दोनों बार मेलाधिकारी बनाया गया था। इस समय भी वह प्रयागराज के मेलाधिकारी के पद पर तैनात हैं। विजय किरण का जन्म बेंगलुरु में हुआ था। वह चार्टर्ड अकाउंटेंट भी हैं। विजय किरन के साथ ही पंचायतीराज विभाग में अपर निदेशक रहे आईएएस राजकुमार को प्रतीक्षारत किया गया है।

विजय किरण आनंद वाराणसी और गोरखपुर में जिलाधिकारी की जिम्मेदारी संभालने से पहले मैनपुरी, उन्नाव, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर के भी डीएम रहे हैं। हर जिले में अपने फैसलों और योजनाओं के कारण नई पहचान भी बनाई। यूपी में 2017 में योगी की सरकार बनने पर योगी ने माघ मेला के आयोजन में लगाया। इसके बाद 2019 में उन्हें अर्ध कुंभ मेला की जिम्मेदारी सौंपी। इसके बाद इस साल महाकुंभ 2025 के आयोजन से ठीक पहले उन्हें दोबारा प्रयागराज लाया गया और मेलाधिकारी बनाया गया। महाकुंभ नगर के जिलाधिकारी भी रहे।

ट्रिपल मर्डरः गरजा बाबा का बुलडोजर, आरोपी की बहन का मकान जमींदोज

फतेहपुर

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया।

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में हथगाम थाना क्षेत्र के अखरी गांव में प्रधान के दो बेटों विनोद सिंह उर्फ पप्पू सिंह, अनूप सिंह उर्फ पिंकू और पौत्र अभय प्रताप सिंह सहित 3 लोगों को मंगलवार की सुबह दिनदहाड़े गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया था। सनसनीखेज वारदात के बाद आरोपियों पर स्थानीय लोगों ने बुलडोजर और एनकाउंटर की कार्रवाई की मांग पर अड़े थे। पुलिस और जिला प्रशासन ने बुधवार की सुबह आरोपी ज्ञान सिंह की बहन के घर पर कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को जमींदोज कर दिया है।

फतेहपुर में बुलडोजर एक्शन होने के बाद माहौल बदलता दिख रहा है। दरअसल, मामले में राजनीति भी शुरू हो गई थी। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने फतेहपुर में तिहरे हत्याकांड और दलित की हत्या का मुद्दा उठाकर योगी सरकार को कटघरे में खड़ा किया। साथ ही, मामले में त्वरित कार्रवाई की बात कही थी। ऐसे में योगी सरकार की ओर से एक्शन को उनके बुलडोजर मॉडल के प्रति भरोसा जमाने की नीति के तौर पर देखा जा रहा है।

तीन की गोली मारकर हत्या

जानकारी के अनुसार, गांव के ट्रिपल मर्डर केस में ग्रामीणों ने एनकाउंटर और बुलडोजर की कार्रवाई के साथ आरोपियों के घर को ध्वस्त किये जाने की मांग की थी। बताया जा रहा है कि मृतक पप्पू सिंह व्यवहार कुशल और ईमानदार व्यक्ति थे, जिसके चलते ग्रामीण उनके प्रति हमदर्दी रखते थे। यही बात पूर्व प्रधान को खटकती थी।

मंगलवार की सुबह चुनावी रंजिश को लेकर अखरी गांव का रहने वाला पूर्व प्रधान सुरेश सिंह उर्फ मुन्नू सिंह ने अपने बेटे पीयूष सिंह और अन्य साथियों के साथ मिलकर उक्त तीनों लोगों की गोली मारकर नृसंश हत्या कर दी थी। इसके बाद घर में ताला लगाकर परिवार सहित सभी आरोपी मौके से भाग निकले थे।

मृतक अनूप की पत्नी मनीषा सिंह की तहरीर के आधार पर पुलिस ने पूर्व प्रधान मुन्नू सिंह व उसके बेटे पीयूष, भूपेंद्र, सज्जन, विवेक, ज्ञान सिंह उर्फ विपुल समेत 6 के लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद फरार आरोपियों में मंगलवार की दोपहर पुलिस ने तीन हत्यारों को को अरेस्ट कर लिया था। बताया जा रहै है कि मंगलवार की सुबह पप्पू सिंह और उनका भाई पिंकू सिंह व बेटा अभय प्रताप सिंह बाइक से खेत जा रहे थे।

आरोप है कि इस दौरान गांव के बाहर एक नलकूप के पास योजनाबद्ध तरीके से पहले से घात लगाये बैठे ट्रैक्टर सवार पूर्व प्रधान उपरोक्त बदमाशों ने गोलियां बरसा दीं।